

الحمد لله الذي جعلنا من عباده عبيداً لله تعالى

۵۲۵۳

جلد سہ سالانہ نمبر

۵۲۵۳

ایڈیٹر: مولانا محمد رفیع

فی رجب ۱۳۸۴

The ALFAZL Review

پیشکش از مکتبہ اربعین

۲۲ جنوری ۱۹۶۵ء نمبر ۱۹

جلد ۳، صفحہ ۳۷۵

سیدنا حضرت شیخ عمر بن عبد اللہ الصلوٰۃ والسلام
اپنے بعض ممتاز اور جلیل القدر صحابہ کے درمیان



یہ تصویر مولانا محمد رفیع کی تصانیف میں سے ایک ہے۔ مولانا محمد رفیع نے اپنی تصانیف میں مولانا محمد رفیع کی تصانیف میں سے ایک ہے۔ مولانا محمد رفیع نے اپنی تصانیف میں مولانا محمد رفیع کی تصانیف میں سے ایک ہے۔

مرکز سلسلہ ربوہ میں رہائش رکھنے والے

حضرت مسیح موعود علیہ السلام کے دو قدیم اور مخلص صحابی



حضرت مولانا محمد شفیع صاحب دہلوی



حضرت مولانا محمد شفیع صاحب دہلوی

Digitized by Khilafat Library Rahwah

فَمِنْهُمْ مَنْ قَضَىٰ نَحْبَهُ

۱۹۵۹ء میں وفات پانہ والے سلسلہ احمدیہ کے تین ممتاز خدام

سید امیر محمد احمد کراچی

باقی امام مسجد اقصیٰ حضرت علی

سید امیر



حضرت مولانا محمد شفیع صاحب دہلوی



حضرت مولانا محمد شفیع صاحب دہلوی



حضرت مولانا محمد شفیع صاحب دہلوی

مرتبہ میرا خاص
درخانہ خدمت حق رجبہ ربوہ



حضرت خلیفۃ المسیح الثانی، المصلح الموعود اطال اللہ بقاءہ

[illegible][illegible][illegible][illegible]

معد سے اس کا حساب ، سب سے
ترقی کو میر تقی میرات سے دیکھ کر دیا
۴ اور اس نے اپنے نام احمد علی

[illegible]

الحمد لله الذي جعلنا من عباده الصالحين
والمؤمنين الذين هم خير خلق الله
والذين هم خير خلق الله

میں نے ایک دن مرناسیچہ دنیا میں
کوئی شخص فارسی و رنات کا موت کے
سحق بھی یہ سوسنی تاکہ وہ اس
کی موت کے ساتھ تیر جو تا میں چر
جو چرمہ مدحانی اور روح جواسی کے

وہ اس کی پست و سست ہے۔
وہ اس کی موت کے ساتھ ہی ختم ہو جائے
اور خدا تعالیٰ کے نام کی ہمد ہی اور
اس کے جلال کا انکسار ہر سو میں کی
جائے اور اس کی مدح ہے۔ پھر
نورِ اقدس کے درخشاں روشتہ روشن
ہے کہ جس میں تو قدرتوں کا
نام علیٰ حق سے مستحق ہے
اور میری نظر سے یہ جو مشن
پر ہے کہ حمد حق کا نام صرف
تیرے ساتھ واسطہ ہو اور نہ کسی

[illegible]

۱۰۰
 ۹۰
 ۸۰
 ۷۰
 ۶۰
 ۵۰
 ۴۰
 ۳۰
 ۲۰
 ۱۰
 ۰

۱. ۲. ۳. ۴. ۵. ۶. ۷. ۸. ۹. ۱۰. ۱۱. ۱۲. ۱۳. ۱۴. ۱۵. ۱۶. ۱۷. ۱۸. ۱۹. ۲۰. ۲۱. ۲۲. ۲۳. ۲۴. ۲۵. ۲۶. ۲۷. ۲۸. ۲۹. ۳۰. ۳۱. ۳۲. ۳۳. ۳۴. ۳۵. ۳۶. ۳۷. ۳۸. ۳۹. ۴۰. ۴۱. ۴۲. ۴۳. ۴۴. ۴۵. ۴۶. ۴۷. ۴۸. ۴۹. ۵۰. ۵۱. ۵۲. ۵۳. ۵۴. ۵۵. ۵۶. ۵۷. ۵۸. ۵۹. ۶۰. ۶۱. ۶۲. ۶۳. ۶۴. ۶۵. ۶۶. ۶۷. ۶۸. ۶۹. ۷۰. ۷۱. ۷۲. ۷۳. ۷۴. ۷۵. ۷۶. ۷۷. ۷۸. ۷۹. ۸۰. ۸۱. ۸۲. ۸۳. ۸۴. ۸۵. ۸۶. ۸۷. ۸۸. ۸۹. ۹۰. ۹۱. ۹۲. ۹۳. ۹۴. ۹۵. ۹۶. ۹۷. ۹۸. ۹۹. ۱۰۰.

۱۔ لکھنے والا جو صاحب جو صاحب صاحب
 ۲۔ کرم جمیل، کرم جمیل، کرم جمیل، کرم جمیل
 ۳۔ جو صاحب صاحب صاحب صاحب صاحب
 ۴۔ لکھنے والا جو صاحب جو صاحب صاحب
 ۵۔ کرم جمیل، کرم جمیل، کرم جمیل، کرم جمیل
 ۶۔ جو صاحب صاحب صاحب صاحب صاحب
 ۷۔ لکھنے والا جو صاحب جو صاحب صاحب
 ۸۔ کرم جمیل، کرم جمیل، کرم جمیل، کرم جمیل
 ۹۔ جو صاحب صاحب صاحب صاحب صاحب
 ۱۰۔ لکھنے والا جو صاحب جو صاحب صاحب

۱۔ اے اللہ! میری ہر بات کو سچ بنا دے۔
 ۲۔ اے اللہ! میری ہر بات کو سچ بنا دے۔
 ۳۔ اے اللہ! میری ہر بات کو سچ بنا دے۔
 ۴۔ اے اللہ! میری ہر بات کو سچ بنا دے۔
 ۵۔ اے اللہ! میری ہر بات کو سچ بنا دے۔
 ۶۔ اے اللہ! میری ہر بات کو سچ بنا دے۔
 ۷۔ اے اللہ! میری ہر بات کو سچ بنا دے۔
 ۸۔ اے اللہ! میری ہر بات کو سچ بنا دے۔
 ۹۔ اے اللہ! میری ہر بات کو سچ بنا دے۔
 ۱۰۔ اے اللہ! میری ہر بات کو سچ بنا دے۔

پیکر و فیض و صفای مملکت
 خزانہ انکسار لایعلاج کوشش کو سے کو
 س مجھ سے اعتراف میں
 راجہ و قلام کو سے وہ اپنا
 ادب کے کوئے انکسار میں
 پر ہر صفت کے اس بار مجھ سے کہ

کو
 طرہ کثرت کو زیادہ سے زیادہ چاہتا ہوں
 سحر و جادو میں کون سے کام آتا ہے

پیکر و صفای مملکت
 دماغ و فکر کو سے وہ صفتوں سے
 دماغ کے حلقہ کون سے کام آتا ہے
 سحر و جادو میں کون سے کام آتا ہے

[illegible]

فرمان مولانا صاحب

۱۔ منہ سے نکلنے والی ہوا
 ۲۔ منہ سے نکلنے والی ہوا
 ۳۔ منہ سے نکلنے والی ہوا
 ۴۔ منہ سے نکلنے والی ہوا
 ۵۔ منہ سے نکلنے والی ہوا
 ۶۔ منہ سے نکلنے والی ہوا
 ۷۔ منہ سے نکلنے والی ہوا
 ۸۔ منہ سے نکلنے والی ہوا
 ۹۔ منہ سے نکلنے والی ہوا
 ۱۰۔ منہ سے نکلنے والی ہوا

خود کو دیکھ کر ہنس اٹھا، اور کہا کہ
 تمہاری یہ باتیں سنا کر لوگوں کو
 سنا ہے، میں دیکھ کر ہنس رہا ہوں۔
 تمہاری باتوں کو سن کر لوگوں کو
 ہنس رہا ہوں۔
 تمہاری باتوں کو سن کر
 لوگوں کو ہنس رہا ہوں۔
 تمہاری باتوں کو سن کر
 لوگوں کو ہنس رہا ہوں۔

[illegible][illegible]

شانِ رسولِ عربی ﷺ

فرمودہ سیدنا حضرت مسیح موعود و سید الشہداء

وَأَنَّ رَسُولَ اللَّهِ شَمْسٌ مُبِيرَةٌ

رُشِيدَةٌ مِنْ نُورِ رَبِّي الْمَصْطُوفِ

لَهُ دَرَجَاتٌ فِي الْمَحَبَّةِ مِثْلَ

ذِكَاةٍ مُبِيرَةٍ أَنْ رَقِصُوا بَيْنَ

وَفِي أَسْبَلٍ بَعْدَ الشَّمْسِ قَمَرٌ مُنَوَّرٌ

وَيَلَّهُ الْطَافُ عَلَى مَنْ أَحَبَّهُ

وَرُشِيدُهُ قَدْ أَفْرَدَتْ فِي قَضَبِ رُشْدِ

وَرُغَى وَشَى مُضْعَبٌ مَبْنًى سَبَّحَ

وَرُشِيدٌ شَمْسٌ فِي السُّرُوبِ إِلَّا أَيْتَبَ عَهْدُ

وَرُشِيدٌ مَرَّةً مِثْلَ سُنَنِ رِطْعِمِهِ

مَدْحَسَاتٍ يَخْتَوِي مِنْ حَذَقِ مُهَاجِرَتِي

وَرُشِيدٌ يَحْتَضِرُ عَصَائِدَ رَغَبٍ

وَرُشِيدٌ حُبَّتْ يَمْنَحُ لَا يَسْمُو مِنْ

وَرُشِيدٌ حُبَّتْ بَعْدَ حُبِّ مُهَيِّمِي

وَبَعْدَ رَسُولٍ مَبْنًى بِذُرِّ كَوْكَبِ

وَرُشِيدٌ مَبْنًى تَبْنُ وَلَا تَقَرَّبُ

لَهُ سَمْعَاتُ رَبِّ مِنْهَا أَنْفِئَتِ

وَرُشِيدٌ يَوْمَ الْمُنْشُورِ مُعَقِّبِ

كَمَرِي أَسْرَمَ بِشَهْدَانِ وَغَزَبِ

قَوَائِمِهِ فِي كُلِّ قَرْبٍ تَنْكَسِبِ

وَرُشِيدٌ أَفْرَدَتْ أَخْلَامَ أَوْرِي أَنْفِئَتِ

وَرُشِيدٌ كَرَرِي أَلْعَمَ يَزْعِي وَتَجَنَّبِ

وَرُشِيدٌ بَعِيدٌ مِنْ هَدَاةٍ يَفْرَبِ

قَوَائِمِهِ بَحْثُ الْقَضَى مِنْهُ أَعْدَابِ

قَوْلَاتٍ مَا كُنْتُ إِلَيْكَ شَعِيرَ سَرْعِ

وَرُشِيدٌ حَاءَ بَابَاتٍ سَائِلًا لَا يُشْرَبِ

دَرِينِ وَسُوءِ وَكَثْفِ زُخْدِ

تَضَعُ يَدِي مِنْ مَنَاتٍ وَتَجَنَّبِ

میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم میں اتفاقاً وہ تھا وہ تھا کہ میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم	میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم	میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم
--	--	--

جمعہ کی بوسہ

میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم	میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم	میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم
--	--	--

میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم
میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم
میں نے سنا ہے کہ وہ ایک بے رحم

پندرہ سالانہ جماعت اسلامیہ پاکستان

۱۹۹۰ء

پندرہ سالانہ جماعت اسلامیہ پاکستان

۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	۳۱	۳۲	۳۳	۳۴	۳۵	۳۶	۳۷	۳۸	۳۹	۴۰	۴۱	۴۲	۴۳	۴۴	۴۵	۴۶	۴۷	۴۸	۴۹	۵۰	۵۱	۵۲	۵۳	۵۴	۵۵	۵۶	۵۷	۵۸	۵۹	۶۰	۶۱	۶۲	۶۳	۶۴	۶۵	۶۶	۶۷	۶۸	۶۹	۷۰	۷۱	۷۲	۷۳	۷۴	۷۵	۷۶	۷۷	۷۸	۷۹	۸۰	۸۱	۸۲	۸۳	۸۴	۸۵	۸۶	۸۷	۸۸	۸۹	۹۰	۹۱	۹۲	۹۳	۹۴	۹۵	۹۶	۹۷	۹۸	۹۹	۱۰۰
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

پندرہ سالانہ جماعت اسلامیہ پاکستان

۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	۳۱	۳۲	۳۳	۳۴	۳۵	۳۶	۳۷	۳۸	۳۹	۴۰	۴۱	۴۲	۴۳	۴۴	۴۵	۴۶	۴۷	۴۸	۴۹	۵۰	۵۱	۵۲	۵۳	۵۴	۵۵	۵۶	۵۷	۵۸	۵۹	۶۰	۶۱	۶۲	۶۳	۶۴	۶۵	۶۶	۶۷	۶۸	۶۹	۷۰	۷۱	۷۲	۷۳	۷۴	۷۵	۷۶	۷۷	۷۸	۷۹	۸۰	۸۱	۸۲	۸۳	۸۴	۸۵	۸۶	۸۷	۸۸	۸۹	۹۰	۹۱	۹۲	۹۳	۹۴	۹۵	۹۶	۹۷	۹۸	۹۹	۱۰۰
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	۳۱	۳۲	۳۳	۳۴	۳۵	۳۶	۳۷	۳۸	۳۹	۴۰	۴۱	۴۲	۴۳	۴۴	۴۵	۴۶	۴۷	۴۸	۴۹	۵۰	۵۱	۵۲	۵۳	۵۴	۵۵	۵۶	۵۷	۵۸	۵۹	۶۰	۶۱	۶۲	۶۳	۶۴	۶۵	۶۶	۶۷	۶۸	۶۹	۷۰	۷۱	۷۲	۷۳	۷۴	۷۵	۷۶	۷۷	۷۸	۷۹	۸۰	۸۱	۸۲	۸۳	۸۴	۸۵	۸۶	۸۷	۸۸	۸۹	۹۰	۹۱	۹۲	۹۳	۹۴	۹۵	۹۶	۹۷	۹۸	۹۹	۱۰۰
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

پندرہ سالانہ جماعت اسلامیہ پاکستان

۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	۳۱	۳۲	۳۳	۳۴	۳۵	۳۶	۳۷	۳۸	۳۹	۴۰	۴۱	۴۲	۴۳	۴۴	۴۵	۴۶	۴۷	۴۸	۴۹	۵۰	۵۱	۵۲	۵۳	۵۴	۵۵	۵۶	۵۷	۵۸	۵۹	۶۰	۶۱	۶۲	۶۳	۶۴	۶۵	۶۶	۶۷	۶۸	۶۹	۷۰	۷۱	۷۲	۷۳	۷۴	۷۵	۷۶	۷۷	۷۸	۷۹	۸۰	۸۱	۸۲	۸۳	۸۴	۸۵	۸۶	۸۷	۸۸	۸۹	۹۰	۹۱	۹۲	۹۳	۹۴	۹۵	۹۶	۹۷	۹۸	۹۹	۱۰۰
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

پندرہ سالانہ جماعت اسلامیہ پاکستان

۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	۳۱	۳۲	۳۳	۳۴	۳۵	۳۶	۳۷	۳۸	۳۹	۴۰	۴۱	۴۲	۴۳	۴۴	۴۵	۴۶	۴۷	۴۸	۴۹	۵۰	۵۱	۵۲	۵۳	۵۴	۵۵	۵۶	۵۷	۵۸	۵۹	۶۰	۶۱	۶۲	۶۳	۶۴	۶۵	۶۶	۶۷	۶۸	۶۹	۷۰	۷۱	۷۲	۷۳	۷۴	۷۵	۷۶	۷۷	۷۸	۷۹	۸۰	۸۱	۸۲	۸۳	۸۴	۸۵	۸۶	۸۷	۸۸	۸۹	۹۰	۹۱	۹۲	۹۳	۹۴	۹۵	۹۶	۹۷	۹۸	۹۹	۱۰۰
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

ایک عظیم شہر ان اسماعیلی درخت

تحریک جدید کی صورت میں نمودار ہو

۱. هر دو راجع به نام و نام خانوادگی است.

11

[illegible][illegible]

قصور قد شوق کا یہ بھی رہا مشک کا یہ تک

تری دلی آواز کو ہے اعتماد کیا ملک
 جسے سہارے تھیں وہاں کا ہے ملک
 خود اپنے دل پہ نہیں مگر اختیار یہ تک
 تیری بیداری جو ہے ملک
 تڑپ ہی پر تاج ہے لیکن کوئی تہا را یہ تک
 جس پر دروہہ جیسے جی رہے کی
 جسے جس ملک کی علامت ہے یہ
 چہاں کی ہے محبت کا عہد یہ
 لقاؤں کی ہے تہنیت خوشگوار تک

[illegible][illegible][illegible]

سانپ کا طریق
اترناقی کیا ہے

۱۲۹۰ هجری قمری
 ۱۸۷۳ میلادی
 ۱۲۹۰ هجری قمری
 ۱۸۷۳ میلادی

بیرفین قادیان کا اولین خانہ

بے حضرت بیفہ سے اول نے ہوئے مبارک تھوں قائم فرمایا
 سہ سے پکی جہتی ضرورت یہ حسن پوری رہا ہے

<p>زوجہ ام عشق</p> <p>حاصل کی سال دو</p>	<p>بیتید سے پیتہ و نندہ نرنی</p> <p>میں کا بھی علاج پیا سے</p> <p>نہانہ معاشیہ مقبول نظامت</p>	<p>حب انکھراو</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>
<p>مستوی ہمارے گولیں</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>	<p>ہمارا اصول</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>	<p>دو ان خاص</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>
<p>تزیق خاص</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>	<p>ہم تیار اور اسازی</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>	<p>بیت مہیہ</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>
<p>حق نقی</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>	<p>میں کوئی اور نہ</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>	<p>تزیق اور گولیں</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>
<p>تہبیرات</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>	<p>میں کوئی اور نہ</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>	<p>تہبیرات</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>
<p>مقوی نت مہن</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>	<p>میں کوئی اور نہ</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>	<p>تہبیرات</p> <p>میں کوئی اور نہ</p>

حکیم نظام خان ایسٹ سنز چول کہنہ گھر کو جرائوالہ

عَمْرُو بْنُ عَبْدِ اللَّهِ بْنِ مَرْثَدَةَ

الحمد لله الذي هدانا لهذا
 ما كنا لنهتدي لولا أن هدانا الله

۱۱
 ۱۲
 ۱۳
 ۱۴
 ۱۵
 ۱۶
 ۱۷
 ۱۸
 ۱۹
 ۲۰
 ۲۱
 ۲۲
 ۲۳
 ۲۴
 ۲۵
 ۲۶
 ۲۷
 ۲۸
 ۲۹
 ۳۰
 ۳۱
 ۳۲
 ۳۳
 ۳۴
 ۳۵
 ۳۶
 ۳۷
 ۳۸
 ۳۹
 ۴۰
 ۴۱
 ۴۲
 ۴۳
 ۴۴
 ۴۵
 ۴۶
 ۴۷
 ۴۸
 ۴۹
 ۵۰
 ۵۱
 ۵۲
 ۵۳
 ۵۴
 ۵۵
 ۵۶
 ۵۷
 ۵۸
 ۵۹
 ۶۰
 ۶۱
 ۶۲
 ۶۳
 ۶۴
 ۶۵
 ۶۶
 ۶۷
 ۶۸
 ۶۹
 ۷۰
 ۷۱
 ۷۲
 ۷۳
 ۷۴
 ۷۵
 ۷۶
 ۷۷
 ۷۸
 ۷۹
 ۸۰
 ۸۱
 ۸۲
 ۸۳
 ۸۴
 ۸۵
 ۸۶
 ۸۷
 ۸۸
 ۸۹
 ۹۰
 ۹۱
 ۹۲
 ۹۳
 ۹۴
 ۹۵
 ۹۶
 ۹۷
 ۹۸
 ۹۹
 ۱۰۰

[illegible][illegible][illegible]

آپساقشور کا مطلق ارتعاش منطبق ہوا ہے جو دنیا
گراوی حالت میں ان کے درجہ ذرا فرق کے لیے

۱۰
 ۱۱
 ۱۲
 ۱۳
 ۱۴
 ۱۵
 ۱۶
 ۱۷
 ۱۸
 ۱۹
 ۲۰
 ۲۱
 ۲۲
 ۲۳
 ۲۴
 ۲۵
 ۲۶
 ۲۷
 ۲۸
 ۲۹
 ۳۰
 ۳۱
 ۳۲
 ۳۳
 ۳۴
 ۳۵
 ۳۶
 ۳۷
 ۳۸
 ۳۹
 ۴۰
 ۴۱
 ۴۲
 ۴۳
 ۴۴
 ۴۵
 ۴۶
 ۴۷
 ۴۸
 ۴۹
 ۵۰
 ۵۱
 ۵۲
 ۵۳
 ۵۴
 ۵۵
 ۵۶
 ۵۷
 ۵۸
 ۵۹
 ۶۰
 ۶۱
 ۶۲
 ۶۳
 ۶۴
 ۶۵
 ۶۶
 ۶۷
 ۶۸
 ۶۹
 ۷۰
 ۷۱
 ۷۲
 ۷۳
 ۷۴
 ۷۵
 ۷۶
 ۷۷
 ۷۸
 ۷۹
 ۸۰
 ۸۱
 ۸۲
 ۸۳
 ۸۴
 ۸۵
 ۸۶
 ۸۷
 ۸۸
 ۸۹
 ۹۰
 ۹۱
 ۹۲
 ۹۳
 ۹۴
 ۹۵
 ۹۶
 ۹۷
 ۹۸
 ۹۹
 ۱۰۰

۱۔ اگرچہ حکومت نے اس کے لئے
 ۲۔ کوئی پروگرام نہیں بنایا
 ۳۔ جس سے اس کی ترقی ہو سکے
 ۴۔ اور اس کے مسائل حل ہو سکیں
 ۵۔ اور اس کے مسائل حل ہو سکیں
 ۶۔ اور اس کے مسائل حل ہو سکیں
 ۷۔ اور اس کے مسائل حل ہو سکیں
 ۸۔ اور اس کے مسائل حل ہو سکیں
 ۹۔ اور اس کے مسائل حل ہو سکیں
 ۱۰۔ اور اس کے مسائل حل ہو سکیں

[illegible]

۱۔ اسی طرح ۱۰۰
 ۲۔ اسی طرح ۱۰۰
 ۳۔ اسی طرح ۱۰۰
 ۴۔ اسی طرح ۱۰۰
 ۵۔ اسی طرح ۱۰۰
 ۶۔ اسی طرح ۱۰۰
 ۷۔ اسی طرح ۱۰۰
 ۸۔ اسی طرح ۱۰۰
 ۹۔ اسی طرح ۱۰۰
 ۱۰۔ اسی طرح ۱۰۰

الکسیر ترجمہ: "مفتی محمد رفیع الدین صاحب دیوبند کے ہاتھ سے لکھا گیا ہے۔" (Handwritten note in Urdu script, likely a library or collection stamp, mentioning a translation by Mufti Muhammad Rifa' al-Din of Deoband.)

پیرا مشرقی سرحد کی طرف سے

فردی که در این کتاب آمده است،
نامش محمد بن علی است و او
از بزرگان و اعیان آن زمان بوده است.

میرزا کا نکاح بی بی صاحبہ سے
 ہو گیا تھا۔ یہ لڑکی میرزا کے
 بچے کے لئے تھی۔

تبیلیش مش
قراصلی و نقل و احوال

تجربہ لکھنے پر مشق

چندین سالہ بعد جبکہ اس کا نام اسلام آباد
 تھا اس وقت اس کا نام اسلام آباد تھا

۱۰۰
 ۱۰۱
 ۱۰۲
 ۱۰۳
 ۱۰۴
 ۱۰۵
 ۱۰۶
 ۱۰۷
 ۱۰۸
 ۱۰۹
 ۱۱۰
 ۱۱۱
 ۱۱۲
 ۱۱۳
 ۱۱۴
 ۱۱۵
 ۱۱۶
 ۱۱۷
 ۱۱۸
 ۱۱۹
 ۱۲۰
 ۱۲۱
 ۱۲۲
 ۱۲۳
 ۱۲۴
 ۱۲۵
 ۱۲۶
 ۱۲۷
 ۱۲۸
 ۱۲۹
 ۱۳۰
 ۱۳۱
 ۱۳۲
 ۱۳۳
 ۱۳۴
 ۱۳۵
 ۱۳۶
 ۱۳۷
 ۱۳۸
 ۱۳۹
 ۱۴۰
 ۱۴۱
 ۱۴۲
 ۱۴۳
 ۱۴۴
 ۱۴۵
 ۱۴۶
 ۱۴۷
 ۱۴۸
 ۱۴۹
 ۱۵۰
 ۱۵۱
 ۱۵۲
 ۱۵۳
 ۱۵۴
 ۱۵۵
 ۱۵۶
 ۱۵۷
 ۱۵۸
 ۱۵۹
 ۱۶۰
 ۱۶۱
 ۱۶۲
 ۱۶۳
 ۱۶۴
 ۱۶۵
 ۱۶۶
 ۱۶۷
 ۱۶۸
 ۱۶۹
 ۱۷۰
 ۱۷۱
 ۱۷۲
 ۱۷۳
 ۱۷۴
 ۱۷۵
 ۱۷۶
 ۱۷۷
 ۱۷۸
 ۱۷۹
 ۱۸۰
 ۱۸۱
 ۱۸۲
 ۱۸۳
 ۱۸۴
 ۱۸۵
 ۱۸۶
 ۱۸۷
 ۱۸۸
 ۱۸۹
 ۱۹۰
 ۱۹۱
 ۱۹۲
 ۱۹۳
 ۱۹۴
 ۱۹۵
 ۱۹۶
 ۱۹۷
 ۱۹۸
 ۱۹۹
 ۲۰۰

۱۲

عشر سالہ صاحب زود یہ ایک صاحب مہربانی سے

[illegible]

ی: نور الحق فرد سے یہاں سے

کے عالم میں جو رہنے
بڑی رحمت کر کے جس سے ماہرین
عیدیں میں فساد و عداوت اور
.....
.....

[illegible][illegible][illegible]

سیدنا خضر مسیح و دینہ السلام کی شہر آفاق کتاب

THE PHILOSOPHY
OF
THE TEACHINGS OF ISLAM

★ اسلامی اصول کی فلاسفی ★

جس کے متعلق حضرت مسیح و عیسیٰ اسد م نے فرمایا ہے کہ :-
”یہ قرآن شہینہ کی ایک جہنم و رفتہ تفسیر ہے جس کے دنیا
میں پھینکے سے خراب دین نابلہ ہو جائیں گے۔“

پاکستان میں پہلی بار عرب کا مذہبی درجہ کے ٹائپ پر شائع ہو گئی ہے۔ اور
کمپنی کی طرف سے نگریزی دن صحاب کیسے نہ، تحفہ ہے۔ قیمت فی عدد
۔ تاجران کیسے معقول کمیشن ۔

سیدنا خضر مسیح و دینہ السلام کی شہر آفاق کتاب

Oriental & Religious Publishing Corporation Ltd., Rabwah.

Remember :-

NUSRAT ART PRESS RABWAH

For Quality Printing of

Books Letter Forms Visiting Cards, Wedding Cards,
etc., etc

From Lay out to Binding

Exquisite and Half-tone Block Printing

Oriental & Religious Publishing Corporation Ltd., Rabwah P U B L I C A T I O N S .

- | | |
|--|---|
| <p>1. THE HOLY QURAN VOL II (PART II TO IV) with English Translation and Commentary Rs 10 0 0</p> <p>2. THE HOLY QURAN with Urdu Translation and English Commentary Rs 3 0 0</p> <p>3. PHILOSOPHY OF THE TEACHINGS OF ISLAM by the Promised Messiah Rs 6 0 0</p> <p>4. A MIS UNDERSTANDING REMOVED by the Promised Messiah 0 4 0</p> <p>5. A REVIEW OF CHRISTIANITY by the Promised Messiah 0 5 0</p> <p>6. OUR TEACHING by the Promised Messiah 2 0 0</p> <p>7. WHAT IS AHMADIYYAT by Hazrat Khalifatul-Masih II. 1 4 0</p> <p>8. THE WILL by The Promised Messiah. 0 0 0</p> <p>9. THE CHRISTIAN DOCTRINE OF A TRINITY by Dr. Mufti Mohd. Sadik 0 0 0</p> | <p>10. TWO PILLARS OF SPIRITUALITY by Hazrat Mirza Dagher Ahmad M. A. 0 4 0</p> <p>11. MUHAMMAD THE LIBERATOR OF WOMEN by Hazrat Khalifatul Masih II 0 4 0</p> <p>12. WHY I BELIEVE IN ISLAM by Hazrat Khalifatul Masih II. Rs 5 4 0</p> <p>13. JESUS A KASHMIRI by CH. M. Zamanullah Khan 0 4 0</p> <p>14. AN INTERPRETATION OF ISLAM by Prof. L. V. Vagstad. Rs 1 1 1</p> <p>15. A WESTERN WOMAN'S VIEWS ON ISLAM by Mary Plant 0 3 0</p> <p>16. OUR MOVEMENT by N. M. Nasiruddin Siddiqi Rs 4 5 0</p> <p>17. ISLAM AND CHRISTIANITY by N. M. Nasiruddin Siddiqi Rs 1 0 0</p> <p>18. ATTITUDE OF ISLAM TOWARDS COMMUNISM by A. E. Dard M.A. bound 1 0 0 (unbound 0 12 0)</p> |
|--|---|

(Books in Arabic)

- | | |
|--|--------------------|
| 1. كتاب التوحيد By the Promised Messiah | 2 0 0 |
| 2. كتاب التوحيد | 1 0 |
| 3. كتاب التوحيد | 1 9 |
| 4. التعليم | (translated) 0 5 0 |
| 5. كتاب التوحيد بالاسلام by Hazrat Khalifatul Masih II. | 0 3 0 |

Syed Masud Ahmad

Managing Director O. R. P. Co., Ltd., Rabwah.

حضرت مسیح موعود کی ان کتابیں بصورت سید شائع ہو رہی ہیں!

کم از کم ایک ہزار خریداروں کی ضرورت

حضرت مسیح موعود علیہ الصلوٰۃ والسلام فرماتے ہیں :- "خدا تعالیٰ چاہتا ہے کہ ان تمام روجوں کو جو زمین کی متفرق آبادیوں میں آباد ہیں کیا یورپ اور کیا ایشیا ان سب کو جو نیک فطرت رکھتے ہیں توحید کی طرف کھینچے اور اپنے بندوں کو دین واحد پر جمع کرے۔ یہی خدا تعالیٰ کا مقصد ہے۔ جس کے لئے میں دنیا میں بھیجا گیا ہوں۔ تم اس مقصد کی پیروی کرو۔ مگر نرمی اور اخلاق اور دعاؤں پر زور دینے سے۔" (الوصیت)

کہ کوئی حصہ تکبر کا تم میں نہ ہو تاکہ ہلاک نہ ہو جاؤ۔ اور تم اپنے اہل و عیال سمیت نجات پاؤ۔"

پس ایسے ایمان کی مضمینوں اور اپنے اہل و عیال کو دہشت کی زہریلی چھوڑوں
سے محفوظ رکھنے کے لئے اور اپنے غریب و محتاج و شہداء و یتیموں اور دوستوں کی ہدایت
کے لئے حضرت مسیح موعود علیہ الصلوٰۃ والسلام کی کتب غریبوں و خود پرہیزوں اور
دوسروں کو پڑھنے کی تلقین کریں۔

خوشخبری

میں نے یہ کتاب بھی خریدی ہے جس سے ہمیں دلگدلی ہوگی کہ اس کو اسلامیہ تعلیمات اور
مذہب کے اصولوں کے مطابق لکھا گیا ہے۔ اس کتاب میں ۱۰۰ جلدوں میں ایک سیٹ کی صورت میں شائع کیا
گیا ہے۔ تمام جلدوں میں ایک سرائیکی اور ہر جلد میں چھ صفحات کی ہوگی۔ یہ سب جلدیں
میں ایک ہی سیٹ کی قیمت ۱۰ روپے ہے۔ جو دوست چاہیں ان کی قیمت ادا کر دیں۔ انہیں
۱۰ روپے میں سیٹ دیا جائے گا۔ جو دوست ہائی قیمت پر چاہیں ان کی قیمت ادا کر
دیں۔ ان کے ساتھ لکرائی، اعلیٰ جلد میں شائع کیے جائیں گے اور ان کی قیمت ۱۰ روپے کی
جائے گی۔ کیونکہ اس کتاب کی قیمت کے وہ اس وقت خرید رہے ہیں جبکہ وہ اس
نومانی خزانہ سے بے رحمت تھے۔ ان کے لئے وہ اللہ تعالیٰ کے نزدیک بھی تو سب سے مستحق
ہونگے۔ یہ بھی قیمت ادا کرنے والے کیسے بعض سہولتیں بھی دی جاتی رہیں۔ مثلاً یہ کہ وہ
اداکر دیں۔ جب چاہیں ۱۰ روپے ادا کر دیں۔ پس یہ سب سہولتیں اور سہولتیں دیتے ہیں
اور اس کے ساتھ ساتھ اور دیگر سہولتیں بھی دیتے ہیں۔ ان کی قیمت کو ان کی سہولت
سیٹ کی قیمت متاثر نہ کرے۔ لیکن جو جو سہولتیں ہیں ان سے وہ قیمت ہی رہے گی۔ اگر وہ
اس سیٹ کے باقی حصہ کو خریدنا چاہیں تو ہم بہت جلد صورت میں موجود ہوں گے۔

اسے طوفانِ انِ احمدیت ! اگر تم میں مقصدِ حضرت مسیح
موجود علیہ السلام نے مذکورہ اقامت میں جو کچھ ضروری ہے حاصل کرنا چاہتے
ہو۔ اور اگر تم مسیح طاق بہ طالب آنا چاہتے ہو اور اگر تم اپنے آپ کو اور
اپنے اقارب کو اور اپنی اولادوں کو شیطان کے حملوں سے محفوظ رکھنا چاہتے
ہو تو حضرت مسیح موعود علیہ الصلوٰۃ والسلام کی کتب کو پڑھو۔ اور جس مذہب
اور چہرے مذہب۔ یاد رکھو کہ

حضرت مسیح موعود علیہ الصلوٰۃ والسلام فرماتے ہیں:

اس تاریکی کے زمانہ کا فائدہ میں ہوں اور جو شخص میری پیروی کرتا ہے وہ امن گڑھوں اور خندقوں سے بچا یا جائے گا جو شیطان نے تاریکی میں چلنے والوں کے لئے تیار کئے ہیں۔ (مسیح ہندوستان میں)

یہ فرماتے ہیں۔ "جو شخص ہماری کتابوں کو گنم اور گنم تین دفعہ نہیں پڑھتا اس میں ایک قسم کا گھبراہٹ یا عاتاق ہے۔"

اور فرماتے ہیں۔ ”وہ جو خدا کے نامور اور مہرسل کی باتوں کو غور سے نہیں سنتا اور اس کی تحریروں کو غور سے نہیں پڑھتا اس نے بھی تکبر سے ایک حصہ لیا ہے۔ یہ کوشش کہ

فضل عمر ہسپتال بوہ کی یادگار مسجد کے دو مناظر



ڈاکٹر راجہ ہومیو پیتھ کمپنی لاہور کے عظیم نام

بے بی ٹانگ

بہ بی ٹانگ ایک ایسی بیماری ہے جس میں ہڈیاں ٹوٹ جاتی ہیں اور جسم بے ہڈی ہو جاتا ہے۔ اس کی وجہ سے بیمار شخص کو کھڑے ہونے، چلنے پھرنے اور جسم کو سنبھالنے میں شدید دشواری ہوتی ہے۔ یہ بیماری عام طور پر بوڑھے لوگوں میں ہوتی ہے۔

اس کی علامتیں یہ ہیں کہ بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں تھکاوٹ محسوس ہوتی ہے، ہڈیاں ٹوٹنے کی آواز آتی ہے، جسم میں درد ہوتا ہے اور بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں مددگار کی ضرورت ہوتی ہے۔

اس کی وجہ سے بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں تھکاوٹ محسوس ہوتی ہے، ہڈیاں ٹوٹنے کی آواز آتی ہے، جسم میں درد ہوتا ہے اور بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں مددگار کی ضرورت ہوتی ہے۔

بہ برین ٹانگ

بہ برین ٹانگ ایک ایسی بیماری ہے جس میں دماغ کی حالت خراب ہوتی ہے اور بیمار شخص کو کھڑے ہونے، چلنے پھرنے اور جسم کو سنبھالنے میں شدید دشواری ہوتی ہے۔ اس کی وجہ سے بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں تھکاوٹ محسوس ہوتی ہے، ہڈیاں ٹوٹنے کی آواز آتی ہے، جسم میں درد ہوتا ہے اور بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں مددگار کی ضرورت ہوتی ہے۔

اس کی علامتیں یہ ہیں کہ بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں تھکاوٹ محسوس ہوتی ہے، ہڈیاں ٹوٹنے کی آواز آتی ہے، جسم میں درد ہوتا ہے اور بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں مددگار کی ضرورت ہوتی ہے۔

اس کی وجہ سے بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں تھکاوٹ محسوس ہوتی ہے، ہڈیاں ٹوٹنے کی آواز آتی ہے، جسم میں درد ہوتا ہے اور بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں مددگار کی ضرورت ہوتی ہے۔

ہومیو پیتھ نام

ہومیو پیتھ نام ایک ایسی بیماری ہے جس میں ہڈیاں ٹوٹ جاتی ہیں اور جسم بے ہڈی ہو جاتا ہے۔ اس کی وجہ سے بیمار شخص کو کھڑے ہونے، چلنے پھرنے اور جسم کو سنبھالنے میں شدید دشواری ہوتی ہے۔ یہ بیماری عام طور پر بوڑھے لوگوں میں ہوتی ہے۔

اس کی علامتیں یہ ہیں کہ بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں تھکاوٹ محسوس ہوتی ہے، ہڈیاں ٹوٹنے کی آواز آتی ہے، جسم میں درد ہوتا ہے اور بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں مددگار کی ضرورت ہوتی ہے۔

اس کی وجہ سے بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں تھکاوٹ محسوس ہوتی ہے، ہڈیاں ٹوٹنے کی آواز آتی ہے، جسم میں درد ہوتا ہے اور بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں مددگار کی ضرورت ہوتی ہے۔

سپیشل نام

سپیشل نام ایک ایسی بیماری ہے جس میں ہڈیاں ٹوٹ جاتی ہیں اور جسم بے ہڈی ہو جاتا ہے۔ اس کی وجہ سے بیمار شخص کو کھڑے ہونے، چلنے پھرنے اور جسم کو سنبھالنے میں شدید دشواری ہوتی ہے۔ یہ بیماری عام طور پر بوڑھے لوگوں میں ہوتی ہے۔

اس کی علامتیں یہ ہیں کہ بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں تھکاوٹ محسوس ہوتی ہے، ہڈیاں ٹوٹنے کی آواز آتی ہے، جسم میں درد ہوتا ہے اور بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں مددگار کی ضرورت ہوتی ہے۔

اس کی وجہ سے بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں تھکاوٹ محسوس ہوتی ہے، ہڈیاں ٹوٹنے کی آواز آتی ہے، جسم میں درد ہوتا ہے اور بیمار شخص کو کھڑے ہونے میں مددگار کی ضرورت ہوتی ہے۔

وہاں فرقہ کٹ گئی اور ملی ہوئی ہے۔ قرآنی حقائق و مدارک کا توازن ہے۔ ہرگز ان سلسلے میں کسی خیر و برائی کی بات نہ رہنا۔
کی ہے۔ یہاں ہر جہہ صرف باخا و بے۔ مہینجور و سیالہ الفرقان گول باز اور روبرہ

ہمیشہ



☆ طارق ٹرینپورٹ کمپنی کی نئی فوسہ آرام دہ بسوں میں

☆ سفر کیجئے یہ آپ کی اپنی سروس ہے